भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5523

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पॉलीसिस्टिक ओवेरियन रोग

† 5523. श्री सप्तगिरी शंकर उलाकाः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (पीसीओडी) से प्रभावित महिलाओं की कुल संख्या कितनी है तथा इससे प्रभावित महिलाओं का आयुवार ब्यौरा क्या है;

(ख) देश के विभिन्न क्षेत्रों में पीसीओडी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, शीघ्र निदान और प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या पीसीओडी के लिए टीका या निवारक दवा विकसित करने के लिए कोई अनुसंधान पहल या सरकारी भागीदारी में कोई कार्य हो रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में पीसीओडी के लिए किफायती उपचार विकल्प उपलब्ध हैं, तथा क्या ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में महिलाओं के लिए ऐसे उपचारों तक पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से कोई कार्यक्रम, यदि कोई हो, तो चलाया जा रहा है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत में पीसीओएस की देशव्यापी व्याप्तता का अनुमान लगाने के लिए आईसीएमआर द्वारा किए गए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन में इसके फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम की जांच की गई और 1 नवंबर, 2018 से 31 जुलाई, 2022 तक देश भर में 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग की 9824 शामिल की गई महिलाओं में संबद्ध सह-रुग्णताओं की व्यापकता का आकलन किया गया। पीसीओएस के लिए जांच में पॉजिटिव पाई गई महिलाओं की औसत आयु 28.1 वर्ष थी। एनआईएच 1990 मानदंड के अनुसार पीसीओएस की व्यापकता 7.2% (95%सीआई,

4.8%-10.8%), रॉटरडैम 2003 मानदंड के अनुसार 19.6% (95%सीआई, 12.7%-29.2%) और एई-पीसीओएस मानदंड के अनुसार 13.6% (95%सीआई, 8.4%-21.6%) थी।

(ख) और (घ): विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच द्वारा कैवल्यधाम योग संस्थान के सहयोग से 'पीसीओएस में योग' पर तैयार एक समर्पित मॉड्यूल लॉन्च किया है।

आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच ने कस्तूरबा हेल्थ सोसायटी (केएचएस-एमआरसी) के चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के समन्वय से भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के सभी स्तरों पर स्वास्थ्य परिचर्या प्रदाताओं के लिए पीसीओएस के बहुविषयक प्रबंधन हेतु सिफारिशें तैयार की हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय किशोरों तक पहुंचने के लिए राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) को क्रियान्वित करता है, जिसके अंतर्गत छह विषयगत क्षेत्रों अर्थात् यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, गैर-संचारी रोग, मादक द्रव्यों का सेवन, चोट और हिंसा (लिंग आधारित हिंसा सहित) तथा मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। आरकेएसके के अंतर्गत स्थापित किशोर हितैषी स्वास्थ्य क्लीनिक प्रजनन स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने सहित किशोर स्वास्थ्य से संबंधित मुख्य समस्याओं पर परामर्श और रेफरल सेवाएं प्रदान करके किशोरों की सहायता करते हैं।

(ग): आईसीएमआर में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पीसीओडी के लिए वैक्सीन तैयार करने के लिए वर्तमान में कोई शोध पहल या सरकारी सहयोग नहीं किया जा रहा है। पीसीओएस का कारण बहुआयामी है, इसलिए रोकथाम के लिए आहार और व्यायाम के साथ स्वस्थ जीवनशैली प्रबंधन पर जोर दिया जाता है।

*****